आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना

बुनाई (knitting)

जोमसा स्वय सहायता समूह

एस.एच.जी. नाम	: :	जोमसा
वी.एफ.डी.एस.नाम	: :	क्योलिग
एफ . टी .यू / रेज	: :	काजा
डी.एम.यू. /मंडल	: :	स्पिति
एफ .सी . सी. यू /सर्किल	: :	शिमला

हिमाचल प्रदेष वन परितन्त्र प्रबंधन एव आजीविका सुधार परियोजना

जाईका वित्तपोषित

अनुकमणिका

क्र. सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	कार्यकारिणी सांराष	1.2
2	परिचय	3
3	स्वय सहायता समूह की सूची	4
4	समूह का विवरण	5
5	ग्रम की भौगोलिक स्थिति	6.7
6	आय सृजन गतिविधि उत्पादन का विवरण	8
7	उत्पादन की प्रक्रिया	8
8	उत्पादन हेतु नियोजन	9
9	बिक्री का विवरण	10
10	समूह के मध्यप्रबंधन कर विवरण	11
11	संभावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय	12
12	उद्यम हेतु अनुमानित लागत	13.15
13	उद्यम हेतु लागत लाभ विषेलेषण	16
14	समूह की वितिय आवष्यकता	17

15	समूह की वितिय संसाधन	17
16	**सम विचछेदन बिंदु की गणना (ब्रेक इविन प्वांइट)**	17
17	स्वय सहायता समूह के नियमों की सूचि	18
18	समूह का सहमती पत्र	19
19	समान रूचि समूह के प्रत्येक सदस्य के फोटोग्रफ	20

1. परिचय

हिमाचल प्रदेष के पश्चिम हिमालय क्षेत्र में स्थित पहाडी राज्य है।जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और समृद्धि संस्कृति के लिए पसिद्ध है। हिमाचल प्रदेष की जलवायु बहुत उपयुक्त है तथा अनेक छोटी बडी नंदिया व घाटिया प्रदेष की सुंदरता को बढाती है प्रदेष की कुल आबदी 30 लाख है। इस का भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग किलोमीटर है जो कि ष्यिालिक पहाडियो के ऊपरी हिमालय के षीत मरूस्थ्ल तक फैला हुआ है। यहां कृषि व बागवानी मुख्य व्यवसाय है। हिमाचल के 12 जिलो में स्पिति जिला पर्यटन कृषि व जड़ी बूटी के लिए प्रसिद्ध है।

गांव क्योलिग डा, काजा तहसील स्पिति जिला लाहौल स्पिति हिमाचल प्रदेष में स्थित है जिले की घाटियो को भैतिक सरचना के आधार पर तरह तरह के नाम दिये गए है जिस में एक नाम क्यूलिग है। क्यूलिग स्पिति मुख्यालय से 8 किलोमीटर की दुरी पर है।

गांव क्यूलिग मे लोगो का मुख्य व्यवसाय कृषि बागवानी है। अधिकतर लोगो के पास बहुत का जमीन है जिसके कारण उनकी आजीविका का निर्वाह अच्छे ढ़ग से नहीं हो पा रहा है।

जीवन निर्वाह को अच्छा करने के लिए लोग नगदी फसल व बागवानी का कार्य करके अपनी आजीविका चलाते है गांव मे लोग बुनाई का कार्य भी कर रहें है। परंतु उत्पादन पांरपरिक तरीके से होता है।इससे उत्पादन कम और आय भी कम होती है इस समस्या को दुर करनें के लिए व उत्पादको का उत्पादन बढ़ाने के लिए इन महिलाओं को उतम किस्म के यंत्रो के बारे में जो इस उत्पादन के लिए उपयुक्त है। उनकी जानकारी की आवष्यकता है।

हिमाचल प्रदेष वन परितंत्र एंव प्रंबधन एंव आजीविका सुधार परियोजना ने गांव मे ग्रंम वन समिति क्यूलिग के गठन के बाद लोगो को आजीविका के साधन बढाने के लिए समूह में कार्य करने के बारे में बताया परियोजना के माध्यम से क्यूलिग में 02 स्वय **जोमसा** सहायता समूहों का गठन स्वय सहायता समूह व River –B स्वय सहायता समूह के रूप में किया गया इसके बाद जोमसा स्वय सहायता समूह ने बुनाई का कार्य करने का निर्णय लिया। इस समूह में 05 सदस्या षामिल हुए।

गाँव क्यूलिग

2. जोमसा सहायता समूह की सूची

क्र.स	सदस्यो का नाम व पता	पद	आयु	लिग	योगयता	श्रेणी	सम्पर्क
1	छेरिग रिगजेन	प्रधान	50	स्त्री	आठवी	अनुसूचित जनजाति	8219644141
2	यिषे डोलमा		46	स्त्री		अनुसूचित जनजाति	9459038829
3	गटुक जंगमो	सदस्य	55	स्त्री		अनुसूचित जनजाति	9459524147
4	दिकित बुटित	सदस्य	52	स्त्री		अनुसूचित जनजाति	9015349669
5	सोनम छोड़न	सदस्य	48	स्त्री	तीसरी	अनुसूचित जनजाति	9459054375

2. जोमसा स्ंवय सहायता समूह का विवरण।

2.1	समूह का नाम	जोमसा स्ंवय सहायता समूह
2.3	ग्रम वन विकास समिति	क्यूलिग
2.4	वन परिक्षेत्र क्षेत्रीय तकनीकी इकाई	काजा
2.5	वन मंडल मंडडलीय प्रबंधन इकाई	स्पिति
2.6	गांव	क्यूलिग
2.7	विकासखड़	काजा
2.8	जिला	लाहौल- स्पिति
2.9	समान सूची समूह में कुल सदस्यो की संख्या	5
2.10	स्मूह की गठन की तिथि	10/11/2017
2.11	बैक खाता सख्या	50067550411
2.12	बैक का नाम और ष्षाखा जंहा समूह का खाता संचलित है।	KCC Bank Kaza
2.13	स्ंवय सहायता समूह की मासिक बचत	100
2.14	कुल बचत	
2.15	सदस्यो को आपस में दिया गया ऋण	10000
2.16	नगदी जमा करनें की सीमा	
2.17	चुकौती की स्थिति	6 महीने

3. ग्राम की भैगोलिक स्थिति

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	08 किलोमीटर लगभग
3.2	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	काजा 08 किलोमीटर लगभग
3.4	प्रमुख बाजार का नाम और दूरी	काजा
3.5	प्रमुख षहर से दूरी	काजा 08 किलोमीटर लगभग
3.6	मुख्य षहरो के नाम जहां उत्पादन का विक्रय विपणन किया जाएगा	काजा, रामपुर, कूल्लू ,मनाली।
3.7	प्रस्तावित आय सृजन गतिविधि के संबध मे गांव की कोई विषेष सूचना	कृषि बागवानी कनपटी ,जुराबें , कोटी, स्वेटर, बेबी सट `,टोपी मफलर बनाते है।
3.8	पिछले पूर्व और आगामी संपर्को की स्थिति	लगातार बैठकर की जा रही है और बुनाई कीजानकारी साझा की जा रही है

व्यवसाय योजना की आवष्यकता

ग्राम वन विकास समिति रंगरिक में महिलाओं का पहले से गठित समूह है जिस मे समूह की सभी महिलाएं बुनाई का कार्य करके अपनी आजीविका को बढ़ाना चाहती है। इसलिए महिलायों ने समूह के माध्यम से JICA परियोजना से बुनाई की मषीन प्रदान करने तथा उचित प्रषिक्षण की मांग की है।

व्यवसाय योजना के उदेष्य

समूह की सभी सदस्यो की क्षमता का निमार्ण करना।
समूह के लिए निंरतर आय के साधन उपलब्ध करना।
उत्पादन को उचित बाजार से जोड़ना।
सभी सदस्यो को समूह में काम करने के लिए प्रेरित करना।
बुनाई व्यवसाय की नवीनतम एंव आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देना।
आजीविका की बढोतरी।

(4) सामुदायिक गतिषीलता

इसके अंतर्गत ग्रामिणो में जागरूकता एंव सामुदायिक गतिषीलता के उपरान्त आजिवीका वर्धन के विकल्प का चयन तथा उसके लिए लाभार्थी कर छटनी की गई हैं।

(1) समूह का निमार्ण

संव्य सहायता समूह के सदस्यो को एकत्रित कर समूह का गठन किया गया तथा समूह का अध्यक्ष सचिव का सर्वसहमति से चुनाव किया गया है। समूह के सदस्यो की सहमती से समूह के लिए नियम व षर्ते निधारित करके उन्हें लागू करने का प्रावधान किया गया है।

(1) क्षमता का निमार्ण

लाभार्थी की क्षमता निमार्ण हेतु उनका उचित प्रषिक्षण करवाया जाना आवष्यक है।

(7) बुनाई मषीन इत्यादि का वितरण

समूह के सभी सदस्यो को अच्छी किस्म की मषीनें उपलब्ध करवाई जाए ताकि अच्छे ढग से कार्य कर सके।

(8) बाज़ार से जोड़ना:

अपने उत्पादन बेचने के लिए समूह किसी सरकारी व निजी सोसाइटी से उचित षर्ते के साथ संबध स्थापित करने के लिए तैयार है व्रिकय के लिए लोकल बाजरों के दुकानदारो से जोड कर मेलो में प्रदर्षनी लगााकर आय कमाने हेतु जोडा जाएगा।अधिक उत्पादन होने पर कूल्लू व रामपुर बजार के क्षेत्र में दुकानदारो से जुड कर कार्य करेगी।

(9) वितिय संस्थानो एंव संबधित विभागो से जोडना

व्यवसाय को आगे बढाने के लिए समूह को वितिय संस्थानो से जोडने का प्रयास किया जाएगाा तथा उन्हें विभ्न्नि बैको ट्टारा दी जा रही ऋण सुविधाओ से अवगत करवाया जाएगाा तथा परियोजना ट्टारा बैकों से जोडा जाएगा।

(10) बाज़ार की जानकारी :

काजा, रामपुर ,कूल्लू, मनाली के क्षेत्रो मे दुकानदारो के साथ जुड कर कार्य करेगी।

(11) अपेक्षित सहायता एंव संसाधन

वितीय प्रबंध (पूंजीगत व्यय का 75% श्रेणी बार परियोजना द्वारा सहायता दी जाएगी ष्षेष 25% सदस्य द्वारा वहन किया जाएगा।

कुलः 05 सदस्य

तकनीकी : तकनीकी सहायता गॉव में ही मास्टर टेनर लगााकर परियोजना द्वारा उचित प्रष्क्षिण का प्रावधान परियोजना द्वारा दिया जाएगाा।

(12) अनूमानित लाभ :

मिहलायों के लिए घरेलु रोजगार उपलब्ध होगा।
समूह के सभी सदस्यो के लिए आजीविका वर्धन का दीर्घ कालीन एंव निंरतर साधन उपब्ध होगा।
समूह की महिलाएं इस कार्य को खाली एंव अतिरिक्त समय में कर सकती है।

5. आय सृजन गतिविधि सें संबधित उत्पादन का वितरण

4.1	उत्पान का नाम	जुराबे स्वेटर कोटी बेबी सेट टोपी व मफलर कनपटी ।
4.2	उत्पादन की पहचान की पद्धति	सभी सदस्य बुनाई का कार्य पहले से ही करते है।
4.3	स्वय सहायता समूह /समान सूची समूह सदस्य की सामूहिक सहमती	हां।

6. उत्पादन की प्रकियाओं का विवरण

सर्वप्रथम स्वय सहायता के सदस्यो को परियोजना द्वारा कोटी स्वेट जुराबे बेबी सेट टोपी मफलर आदि का प्रषिक्षण दिया जाएगा। प्रषिक्षण के उपंरात समूह के सदस्य द्वारा उत्पादन तैयार करने में निम्न प्रकिया की जाएगी।

जुराबे, टोपी व मफलर, तैयार करने की मशीन लगवाएगें इससे समय और उत्पादको की मजदुरी दर का खर्चा कम होगा समुह की सभी सदस्य मीलकर अपना कार्य को करेगी । समूह में सभी सदस्य विपणन करेंगी और कच्चा माल भी लाएगीं।

प्रषिक्षण के उपरांत समूह द्वारा निम्नलिखि उत्पादनो का कार्य किया जाएगा जिसका विवरण इस प्रकार से है।

जुराबे:-

विभिन्न डिजाइनों की जुराबें सभी सदस्य द्वारा तैयार की जाएगी । सभी सदस्य प्रतिदिन 4 से 5 घटें काम करेगी

मफलर:-
विभिन्न डिजाइनों की मफलर सभी सदस्य द्वारा तैयार की जाएगी । सभी सदस्य प्रतिदिन 4 से 5 घटें काम करेगी

टोपी:-
विभिन्न डिजाइनों की टोपी सभी सदस्य द्वारा तैयार की जाएगी । सभी सदस्य प्रतिदिन 4 से 5 घटें काम करेगी

कनपटी:-

विभिन्न डिजाइनों की कनपटी सभी सदस्य द्वारा तैयार की जाएगी । सभी सदस्य प्रतिदिन 4 से 5 घटें काम करेगी

कोटी:-

विभिन्न डिजाइनों की कोटियॉ सभी सदस्य द्वारा तैयार की जाएगी । सभी सदस्य प्रतिदिन 4 से 5 घटें काम करेगी

स्वेटर:-

विभिन्न डिजाइनों की स्वेटर सभी सदस्य द्वारा तैयार की जाएगी । सभी सदस्य प्रतिदिन 4 से 5 घटें काम करेगी

बेबी सेट:-

विभिन्न डिजाइनों की बेबी सेट सभी सदस्य द्वारा तैयार की जाएगी । सभी सदस्य प्रतिदिन 4 से 5 घटें काम करेगी

7. उत्पादन हेंतु नियोजन

प्रतिमाह कार्य दिवस :-	**30**
प्रतिमाह कार्य करने वाले व्यक्ति:-	05
कच्चे माल के स्त्रो:-	काजा/ कूल्लु
अन्य संसाधन स्त्रो:-	काजा/ कूल्लु

	उत्पादन चक्र दिनों में 30 दिन प्रतिदिन 3– 4 घटें कार्य करेगी ।	कोटी : 10 स्वेटर : 10 बेबी सेट :10 जुराबे : 20 टोपियॉ : 20 मफलर: 10
	प्रति चक्र कार्यकताओं की आवष्यकता संख्या	सभी सदस्य मिल झुल कर कार्य करेगी । कुल 05 सदस्य
	कच्चे माल के स्त्रोत	रामपुर कुल्लू मनाली काजा
	अन्य संसाधन का स्त्रोत	काजा रामपुर कुल्लू मनाली

नोट : स्वंय सहायता समूह के प्रषिक्षण का खर्च परियोजना द्वारा वहन किया जाता है।तथा इस व्यवसाय योजना मे षामिल नहीं है।

8. बिक्री का विवरण :-

1.	सम्भावित बाजारों स्थलो के नाम	काजा कूल्लु रामपुर मनाली
2.	उत्पादन की बिक्री हेतु गांव से दुरी	काजा : 08 कूल्लु : 250 रामपुर : 280 मनाली : 230
3.	बजार में उत्पादन की अनुमानित मांग	टोपी जुराबे मफलर कनपटी।
4.	बजार को चिन्हित करने की प्रक्रिया	लोकल बाजारों को चिन्हित किया गया है। जैसे की काजा कूल्लु रामपुर मनाली
5.	मौसम में परिवर्तन के अनुसार उत्पादन की मांग की स्थिति	मांग के अनुसार उत्पादन घटाया या बढाया जाएगा।
6.	उत्पादन के संभावित खरीदार	स्थानीय निवासी
7.	क्षेत्र में सभावित उपभोक्ता	गॉव व षहर की महिलाएं पुरूष
8.	उत्पादन का विपणन तंत्र	सीधा सम्पर्क दुकानदारों से और गॉव की महिलाऐं और पुरषों के कोटी स्वेटर बेबी के सेट टोपी जुराबे इत्यादि की बुनाई।
9.	उत्पादन के विपणन हेतु रणनीति	1, टोपी जुराबे कोटी स्वेटर बेबी सेट कनपटी इत्यादि की बुनाई। 2, समूह कार्य की निपुणता के आधार पर सदस्यों का चयन किया जाएगा।

9. समूह के मध्यप्रबंधन का विवरण :-

प्रबंधन के लिए नियम बनाए जांएगे।
समूह के सदस्य आपसी सहमती से कार्य करगी |
कार्य कुषलता एंव क्षमता के आधार पर किया जाएगा।
लाभ का बंटवारा भी कार्य की गुणवता तथा मेहनत के आधार पर किया जाएंगा।
विपणन करने वाले सदस्य को कुल 5% कमीषन दी जाएंगी।
प्रधान व सचिव प्रबंधन का मूल्याकन एंव आवलोकन समय समय पर करते रहेगे।

षक्ति दुर्बलता अवसर तथा चुनौती का विष्लेषण ।

षक्ति :-

महिलाओं मे कार्य करने की लगन है।
पहले से ही सभी महिलाऐ बुनाई का काम करती है।
समूह में अनुभवी सदस्य भी है।

दुर्बलता :-

महिलाऐं कृषि व पशुपालन के कार्य भी करती है।
कार्य के लिए 2 या 3 घण्टें ही निकाल पाना।

अवसर:-

हिमाचल प्रदेष वन परितंत्र प्रबधन परियोजना से सहयोग व निधि मिलेगी।
प्रषिक्षण से कुषलता व क्षमता में बढोतरी होगी।
उत्पादको की लोकल व षहरों में मांग है।
काजा कुल्लु रामपुर मनाली चंद्रताल पर्यटक स्थल है।
अच्छे उत्पादन तैयार करना।

चुनौती:-

बजार की स्थिति को ना समझना।
अन्य उत्पाद केंद्रो से प्रतिस्पर्धा।
उपभोक्ताओं से ताल मेल की कमी।
अंन्य (कृषि बागवानी व पशुपालन) कार्यो में व्यवस्था।

10. संभावित चुनौतियों तथा उनको कम करने के उपायों का विवरण।

क,स	जोखिम / चुनौतियों का विवरण		जोखिम कम करने के उपाय
1.	**बजार की स्थिति को ना समझना।**	::	समय- समय पर बाजार की मांग केअनुसार चलना।
2.	अच्छे उत्पादन तैयार ना करना।	::	उपभोक्ताओं के मनपंसद उत्पाद तैयार करना।
3.	अन्य उत्पाद केंद्रो से प्रतिस्पर्धा।	::	अन्य उत्पाद केद्रों से बेहतर उत्पाद बनाना व षुरू में कम लाभ कमाना।
4.	**उपभोक्ताओं से ताल मेल की कमी।**	::	उपभोक्ताओं से हमेषा संपर्क में रहना।
5.	कृषि बागवानी व पशुपालन कार्यो में ज्यादा व्यवस्था।	::	कृषि बागवानी व पशुपालन और घर के कार्य के साथ साथ बुनाई में ध्यान देना।
6.	समूह में बंटवारा	::	समूह में बंटवारा कुषलता व क्षमता के आधार पर करना।
7.	उत्पादन की गुणवता घटने से बिक्री कम हो सकती है।	::	गुणवता बनाए रखने के लिए समूह को उच्च मांपदंड रखने होगे।

11. उद्यम हेतु अनुमानित लागत एंव उत्पादन के व्रिकय मूल्य की गणन।

1) पूंजीगत व्यय।

कमांक	गतिविधि	मात्रा	मुल्य	कुल व्यय	परियोजना अंष 75%	लाभार्थी अंष 25%
1	ओटोमेटिक कार्ड निटिग मषीन।	**05**	27000	**135000**	101250	33750
	योग			**135000**	**101250**	**33750**

उपरोक्त पूंजीगत व्यय का लाभार्थी अंष नगदी के रूप में स्वंय वहन करेगें।

2) आवर्ती व्यय (एक चक्र के लिए) एक महीना लिया गया है।

कमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराषि
01	परिवहन खर्चा	-		L/S	1000
02	कमरा किराया	महिना		L/S	2000
जुराबें					
01	कच्चा माल धागा	किलोग्राम	30	700	21000
02	मजदूरी	दिन	20	350	7000
03	अन्य खर्चा : पैकजिग, स्टीकर, बिजली, पानी औसत परिवहन व कमरा किराया खर्चा आदि।			L/S	3000
	कुल				**31000**
टोपी मफलर					
01	कच्चा माल धागा	किलोग्राम	20	700	14000
02	मजदूरी	दिन	20	350	7000
03	अन्य खर्चा : पैकजिग, स्टीकर, बिजली, पानी औसत परिवहन व कमरा किराया खर्चा आदि।			L/S	4000
	कुल				**25000**
कनपटी					
01	कच्चा माल धागा	किलोग्राम	15	700	10500
02	मजदूरी	दिन	20	350	7000

03	अन्य खर्चा : पैकजिग, स्टीकर, बिजली, पानी औसत परिवहन व कमरा किराया खर्चा आदि।				1000
04	कुल				**18500**
	कोटी				
01	कच्चा माल धागा	किलोग्रम	20	700	14000
02	कच्चा माल बटन	न.	200	L/S	2000
03	मजदूरी	दिन	20	350	7000
04	अन्य खर्चा पैकजिग स्टीकर बिजली पानी औसत परिवहन व कमरा किराया इत्यादी।				3000
	कुल				**26000**
	स्वेटर				
01	कच्चा माल धागा	किलोग्रम	20	700	14000
02	कच्चा माल बटन	न.	200	L/S	2000
03	मजदूरी	दिन	20	350	7000
04	अन्य खर्चा पैकजिग स्टीकर बिजली पानी औसत परिवहन व कमरा किराया इत्यादी।				3000
	कुल				**26000**

बेबी सेट

01	कच्चा माल धागा	किलोग्रम	20	700	14000
02	कच्चा माल बटन	न.	200	L/S	2000
03	मजदूरी	दिन	20	350	7000
04	अन्य खर्चा पैकजिग स्टीकर बिजली पानी औसत परिवहन व कमरा किराया इत्यादी।				1500
	कुल				**24500**
	कुल योग				**151000**

3 उत्पादन की लागत (एक चक्र के लिए

क्रमांक	विवरण	धनराषि
1	कुल आवर्ती लागत	151000
2	पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक मूल्य ह्रास	11250
	योग	**152124**

(4) विक्रय मूल्य की गणना / आंकलन (प्रतिचक्र):

क्रमांक	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराषि
1	उत्पादन की लागत				
	कोटी	नंबर	10	600	6000
	स्वेटर	नंबर	10	600	6000
	बेबी सेट	नंबर	10	350	3500
	जुराबे	नंबर	100	350	35000
	टोपी	नंबर	100	100	10000
	मफलर	नंबर	60	150	9000
	कनपटी	नंबर	70	100	7000
	कुल लागत		**360 नग**		**76500**
2	उत्पादन की अनुमानित विक्रय				
	जुराबे	100	100	400	40000
	टोपी	100	100	160	16000
	मफलर	60	60	150	9000
	कनपटी	70	70	80	5600
	कोटी	10	10	900	9000
	स्वेटर	10	10	900	9000
	बेबी सेट	10	10	400	4000
	योग		**330 नग**		**92600**
3	निर्धारित लाभ (प्रतिषत में)				
	जुराबे	50%	100	175	17500
	टोपी	50%	100	50	5000
	मफलर	50%	60	75	4500
	कनपटी	50%	70	50	3500
	कोटी	50%	10	300	3000
	स्वेटर	50%	10	300	3000
	बेबी सेट	30%	10	175	17500
	योग		**330 नग**		**54000**

12. उद्यम हेतु लागत – लाभ विषलेष्ण (एक चक्र के लिए)

क्रमांक	मद	धनराशी
	पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक मूल्य ह्रास	1125
	आवर्ती व्यय	
	किराया	2000
	परिवहन	1000
	कचा माल धागा	**45500**
	मजदूरी	21000
	अन्य खर्चाः पैकजिग, स्टीकर, बिजली, पानी।	**4000**
	योग	
	कुल उत्पादन (नं मे)	प्रतिमाह / 330 न0
	उत्पादन की बिक्री मूल्य प्रतिमाह	85000
	उत्पादन की बुनाई से आय (330 नं०)	85000
	कुल लाभ = 85000-(1125+151000)	1789
	उत्पादन की बुनाई से सकल लाभ = कुल लाभ + (मजदुरी एंव कमरा किराया) =85000+(35000+2000)	122000

यह धनराषि मजदूरी व किराये की धनराषि के अतिरिक्त है। लाभ सदस्य का वितरण सदस्यों के मध्य सहमत अनुपात के आधार पर किया जाएगा।

13. धन की आवष्यकता

समूह की वितीय आवष्यक

क्रमांक	मद	धनराशी (₹)
1	पूंजीगत व्यय	135000
2	आवर्ती व्यय	151000
3	अन्य व्यय	**4000**
	योग	290000

14._समूह के वितीय संसाधन।

क्रमांक	संसाधन कर विवरण	धनराशी (₹)
1	परियोजना द्वारा सहायता काष की धनराषी 75% पूंजीगज व्यय	101250
2	लाभार्थी अंष25% पूंजीगत व्यय	33750
3	समूह का आंतरिक बचत	5000
	योग	**140000**

15.सम विच्छेदन बिन्दू (ब्रेक इविन प्वाइन्ट) की गणना।

ब्रेक इविन प्वाइन्ट = पूंजीगत व्यय /विक्रय मूल्य – आवर्ती व्यय

= 135000 / 85000 -151000 = 135000 / 66000
= 2.23 माह = 2.23 x 30 = 67 δदन

उपरोक्त अनुपात में 380 नग बुनाई की के देने पर ब्रेक इवन प्वाइन्ट 67 से 90 दिनो में प्राप्त होगा। दुसरे ष्षब्दो में इस गतिविधि में लगाायाी गयी धनराषि 100 दिनो में प्राप्त हो जाएगा

16. स्वंय सहायता समूह के नियमों की सूचि

1. समूह का काम : बुनाई (Knitting)
2. समूह का पता : गाँव क्यूलिग, डाकघर काजा, तहसील सिपिति जिला लाहौल सपिति हिमाचल प्रदेश।
3. समूह के कुल सदस्य : 05
4. समूह की पहली बैठक की तिथि ; 10.11.2017
5. समूह में हर 100 रूपए पर 2 रूपए ब्याज होगा।
6. समूह की मासिक बैठक हर माह की 10 तिथि को होगी।
7. समूह के सभी सदस्य हर माह की बचत की गई राषि को समूह में जमा करेगें।
8. स्वंय सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्य को शामिल होना पड़ेगा।
9. स्वंय सहायता समूह का खाता हिमाचल प्रदेश KCCB KAZA शाखा में खोला है खाता संख्या नंबर 50067550411 है।
10. समूह की बैठक में गेर हाज़िर रहने के लिए प्रधान व सचिव को उचित कार्य बता कर अनुमति लेनी होगी।
11. समूह में जो बचत की राषी जमा नहीं करवाते या 3 बेठकों तक समूह से गेर हाज़िर रहते है तो उस महिला को समूह से निकाल दिया जाऐगा।
12. समूह में जो व्यक्ति कारण बताए वगेर गेर हाज़िर रहता है तो अगली बैठक उस व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को खुद करना होगा अगर दो सदस्य होगें तो खर्च मिल कर देना होगा।
13. भविष्य में स्वंय सहायता समूह के प्रधान व सचिव सर्व सहमति से चुने जाऐगें।
14. प्रधान व सचिव बैंक से लेन देन कर सकते है यह पद एक वर्ष तक मान्य होगा।
15. प्रधान, सचिव या सदस्य समूह के विरूद्व कोई काम नही करेगा समूह की रकम का सदा सदुपयोग करेगें।
16. अगर सदस्य किसी कारणवश समूह को छोड़ना चाहता है अगर इस व्यक्ति ने ऋण लिया है तो समूह को वापिस करना होगा तभी समूह को छोड़ समता है अन्यथा नही
17. ऋण का उदेश्य रकम की चुकोती का समय ऋण की किश्त और ब्याज की दर बैठक में तय की जाएगी।
18. आपातकालीन स्थिति के लिए प्रधान व सचिव के पास कम से कम 1000 रूपये की राशी होनी चाहिए।
19. स्वंय सहायता समूह के रजिस्टर को सभी सदस्यों के सामने पढ़ा व लिखा जाना चाहिए।
20. बड़ें ऋण लेने वालों को एक सप्ताह पहले की सूचना देनी होगी।
21. ऋण जरूरत के समय सभी सदस्यों को मिलना चाहिए।
22. अगर सदस्य बिना कारण से समूह को छोड़ना चाहता है तो उस सदस्य की जमा राशी समूह में बांटी जाएगी।
23. समूह को अपनी मासिक रिपोर्ट प्रति माह तकनीकी क्षेत्रीय इकाई (Field Technical Unit) के कार्यालय में देनी होगी।

सहमति पत्र

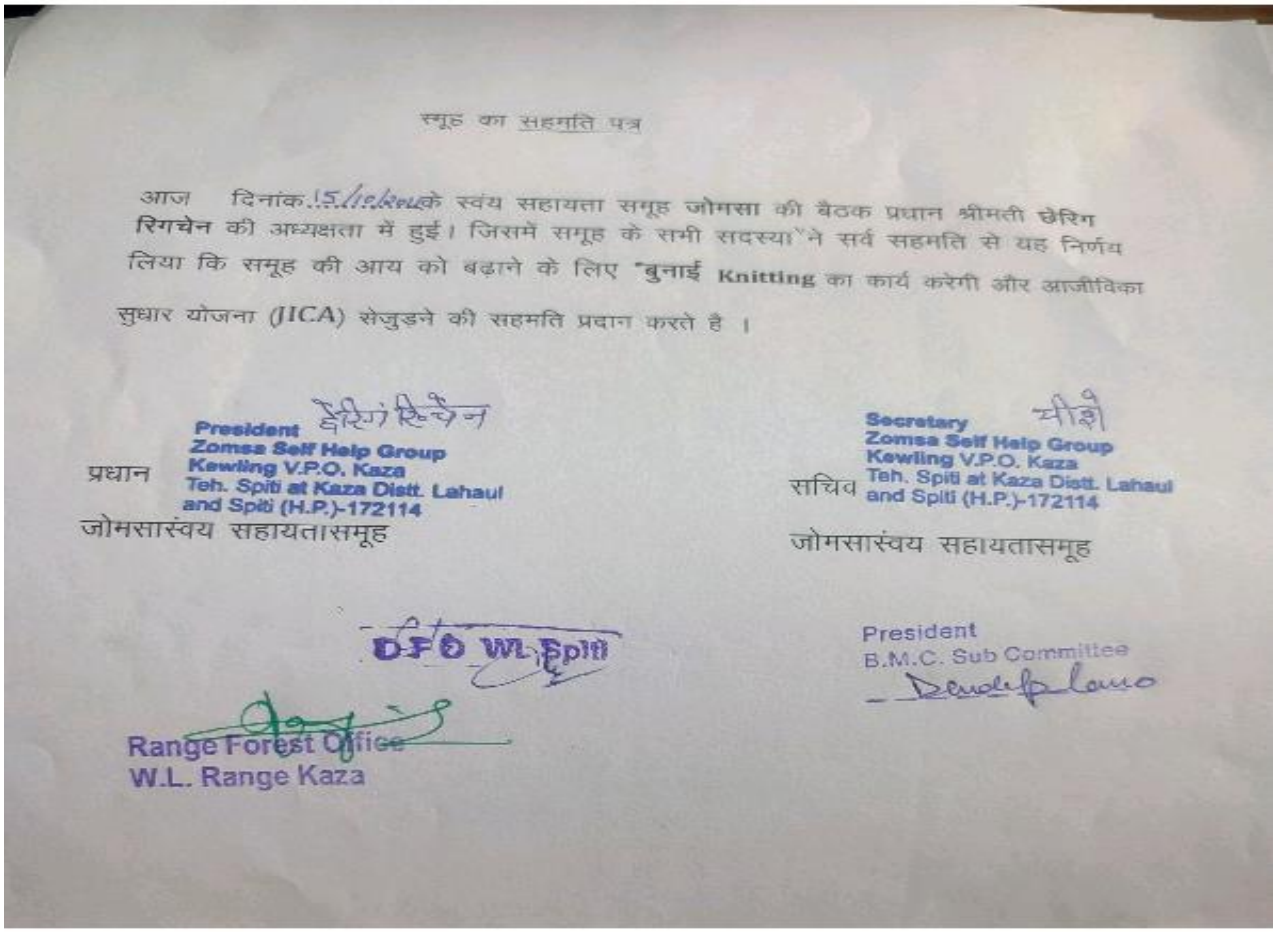

समूह का सहमति पत्र

आज दिनांक 15/10/2016 के स्वंय सहायता समूह **जोमसा** की बैठक प्रधान श्रीमती **छेरिंग रिंगचेन** की अध्यक्षता में हुई। जिसमें समूह के सभी सदस्या ने सर्व सहमति से यह निर्णय लिया कि समूह की आय को बढ़ाने के लिए "**बुनाई Knitting** का कार्य करेगी और आजीविका सुधार योजना (JICA) सेजुड़ने की सहमति प्रदान करते है ।

President
Zomsa Self Help Group
Kewling V.P.O. Kaza
Teh. Spiti at Kaza Distt. Lahaul
and Spiti (H.P.)-172114

प्रधान
जोमसास्वंय सहायतासमूह

Secretary
Zomsa Self Help Group
Kewling V.P.O. Kaza
Teh. Spiti at Kaza Distt. Lahaul
and Spiti (H.P.)-172114

सचिव
जोमसास्वंय सहायतासमूह

D.F.O. W.L. Spiti

President
B.M.C. Sub Committee

Range Forest Office
W.L. Range Kaza

जोमसा स्वय सहायता समूह के फोटोग्राफ

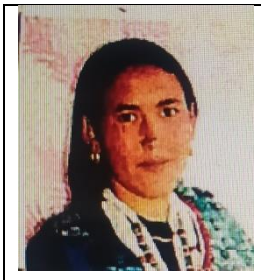				
1 छेरिग	**2**छोडोन	3 दिकित	4 गटुक	5 यिशे